

## श्री सतगुरु जी भगती के खजाने बैठे खोल के

श्री सतगुरु जी भगती के खजाने बैठे खोल के,  
हारा वाले दाता जी खजाने बैठे खोल के,  
खजाने बैठे खोल के, खजाने बैठे खोल के,  
श्री सतगुरु जी भगती के खजाने बैठे खोल के....

सब से प्यारे दाता का, दरबार सजा है,  
आने वाले आज्ञा रे, तेरा भाग्य जगा है,  
सोये हुए भाग जगाते हैं बेमोल के,  
मेरे हारा वाले सरकार, खजाने बैठे खोल के,  
श्री सतगुरु जी भगती के खजाने बैठे खोल के....

निर्धनों को रोज यहा धनवान बनाते है,  
कुटियों में रहने वालो के महल बनाते है,  
दुःख में रहने वालो का भी साथ नही छोड़ते,  
मेरे हारा वाले सरकार, खजाने बैठे खोल के,  
श्री सतगुरु जी भगती के खजाने बैठे खोल के....

सेवक को जो सेवा का ऐसा वरदान भी देते है,  
उसे भगती की लहरो का, जो इक तूफान भी देते है,  
पतवार चलाते है भवपार लगाते है,  
मेरे हारा वाले सरकार, खजाने बैठे खोल के,  
श्री सतगुरु जी भगती के खजाने बैठे खोल के....

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/27033/title/shree-satguru-ji-bhagti-ke-khajane-baithe-khol-ke>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |